Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

19

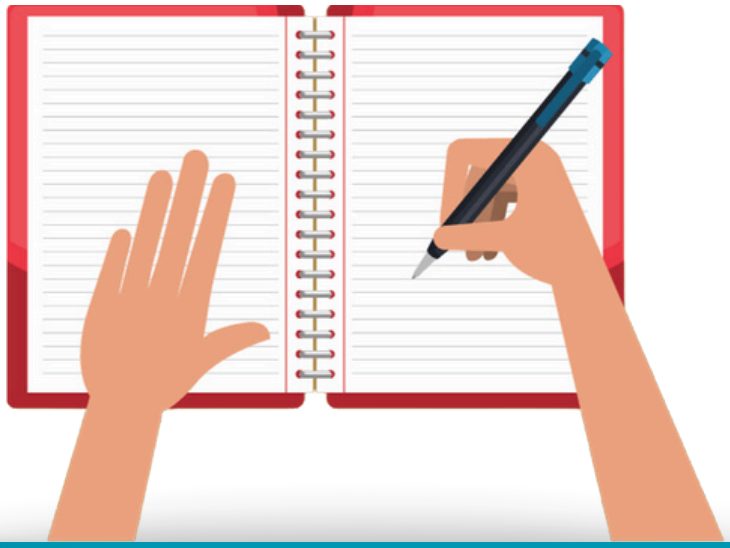

रामकृष्ण परमहंस - एक प्रमुख व्यक्तित्व

18 फरवरी 1836 को कामारपुर गाँव में जन्म

बचपन में गदाधर के नाम से प्रसिद्ध

शिक्षा और सांसारिक मामलों में अरुचि गाने और चित्रकारी में दक्ष

- विभिन्न धर्मों का अनुसरण किया।
- अपने अनुभवों को साधारण शब्दों में व्यक्त किया यही मत तथा पथ
- अंग्रेजी अनुवाद द गॉस्पेल ऑफ श्री रामकृष्ण 1942 में प्रकाशित किया।
- 16 अगस्त 1886 को देवलोकगमन

विश्व संस्कृति में योगदान

- आध्यात्मिक आदर्श
- धर्मों की सद्भावना
- प्राचीन और आधुनिक के बीच सेतु
- नैतिक जीवन को बढ़ावा
- प्रेम का दिव्यीकरण

19/Feb/P1

रामकृष्ण मिशन

रामकृष्ण मिशन एक आध्यात्मिक और धार्मिक संगठन है इसकी स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने 1 मई 1897 को की थी। इसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बेलुर में है यह मठ हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर स्थित है

मिशन के उद्देश्य

- वेदांत दर्शन का प्रचार-प्रसार करना।
- रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं को आम जनता तक पहुंचाना
- दुखी और पीड़ित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना।
- शैक्षिक और परोपकारी कार्य करना।

तन्नो हंसः प्रचोदयात्
RAMAKRISHNA MISSION

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती विशेष

- 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले के शिवनेरी किले में जन्म
- पिताजी शाहजी भोंसले, मराठा सेनापति माता जीजाबाई धार्मिक महिला थी।

महत्वपूर्ण युद्ध

- प्रतापगढ़ का युद्ध (1659)
- पवन खिंड का युद्ध (1660)
- सूरत का युद्ध (1664)
- पुरंदर का युद्ध (1665)
- सिंहगढ़ का युद्ध- (1670)
- कल्याण का युद्ध- (1682-83)
- संगमनेर का युद्ध- 1679

3 अप्रैल 1680 को शिवाजी का निधन

19 Feb P3

फगली उत्सव

यह हिमाचल प्रदेश के शिमला किन्नौर और कुल्लु जिलों में मनाया जाने वाला पारंपरिक उत्सव है।

आमतौर पर यह फरवरी या मार्च में मनाया जाता है जो सर्दियों से बसंत में संक्रमण का प्रतीक है।

फाल्गुन माह में होने के कारण इसे फागुली या फाग भी कहा जाता है।

- यह उत्सव देवता और दानव के बीच संघर्ष की दर्शाता है जिसमें देवता की जीत होती है।

फगली उत्सव

फगली उत्सव की विशेषताएँ:

1. मुखौटे और पारंपरिक पोशाक:
2. इस उत्सव में पुरुष पारंपरिक पोशाक पहने और चेहरे पर मुखौटे लगाए होते हैं। वे समूहों में नृत्य करते हैं, जो एक आकर्षक दृश्य प्रस्तुत करते हैं।
3. देवता और दानव का संघर्ष:
4. फगली उत्सव का आयोजन देवता और दानव के बीच संघर्ष को दिखाने के लिए किया जाता है। इस संघर्ष में अंततः देवता विजयी होते हैं, जो अच्छाई की प्रतीकता को दर्शाता है।
5. राक्षस और गुर का अभिनय:
6. एक व्यक्ति राक्षस का रूप धारण करता है, जिसमें वह अपने शरीर पर घास बांधता है और मुखौटा पहनता है। इसके विपरीत, भगवान का प्रतिनिधित्व गुर (भगवान का प्रवक्ता) करते हैं, जो इस नृत्य और समारोह के दौरान राक्षस के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करता है।
7. देव खेल और रक्ष खेल:
8. इस उत्सव में ढोल-नगाड़ों की ताल पर विशेष नृत्य होते हैं, जिन्हें 'देव खेल' और 'रक्ष खेल' कहा जाता है। ये नृत्य पारंपरिक लोक कला का एक हिस्सा हैं, जो देवता और दानव के संघर्ष को जीवंत रूप में प्रस्तुत करते हैं।
9. पारंपरिक गाथाएँ:
10. पारंपरिक गाथाओं के अनुसार, एक समय में 'टुंडी राक्षस' मनाली से लेकर अर्छंडी तक के क्षेत्र में लोगों को परेशान करता था। इस राक्षस का वध मनु ऋषि ने शांडिल्य ऋषि की सहायता से किया था। इस कथा के आधार पर फगली उत्सव में राक्षस और देवता के संघर्ष का प्रतीकात्मक रूप से मंचन किया जाता है।

मनु भाकर बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर

- 17 फरवरी को दिल्ली में आयोजित समारोह में बीबीसी के डायरेक्टर जनरल टीम डेवी और ओलंपियन मैरी कॉम ने मनु को यह अवॉर्ड दिया।

2021 में मनु को बीबीसी इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिल चुका है।

- मनु ने 2024 पेरिस ओलंपिक में दो ब्रोंज मेडल जीते जिससे वह एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

कुछ प्रमुख भारतीय महिला एथलीट्स

- मीराबाई चानू
- पी.वी. सिंधु
- दीपिका पल्लीकल
- साक्षी मलिक
- हिमा दास

नौसेना अभ्यास कोमोडो

कोमोडो अभ्यास एक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है। जो इंडोनेशिया में आयोजित किया जाता है।

- यह अभ्यास 15-22 फरवरी 2025 को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित होगा।
- अभ्यास कोमोडो का मुख्य उद्देश्य समुद्री अंतःक्रियाशीलता को बढ़ावा और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है।

नौसेना अभ्यास कोमोदो

बहुपक्षीय जुड़ाव: इसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा संगोष्ठी, सामरिक फ्लोर गेम्स और सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे विभिन्न उच्च-स्तरीय जुड़ाव शामिल हैं।
अभ्यास कोमोदो: आईएफआर (इंडियन नेवी फ्लोटिंग रिव्यू) के बाद, भारतीय नौसेना अभ्यास कोमोदो में भाग लेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य समुद्री अंतःक्रियाशीलता और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना है।
द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना: यह भागीदारी इंडोनेशियाई नौसेना प्रमुख के भारत के हालिया दौरे और जनवरी 2025 में इंडोनेशिया में आयोजित एलए पेरूज अभ्यासों में भारतीय नौसेना की भागीदारी का अनुसरण करती है।
सागर दृष्टि: इन आयोजनों में भारतीय नौसेना की भागीदारी 'सुरक्षा और विकास के लिए सभी क्षेत्रों में' (SAGAR) दृष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।